International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

"बून्दी जिले में औद्योगिक विकास में बाधाएं एवं संभावना"

जुगराज मीना (शोधछात्र)
डॉ. लक्ष्मणलाल परमार शोध निर्देशक
गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा

सारांश:-

सिंधुघाटी सभ्यता के काल से ही भारत मे उद्योग एवं व्यापार के प्रमाण मिले है। भारत मे आधुनिक औद्योगिकिकरण की शुरुआत मुम्बई सूतीवस्त्र मिल (1854) की स्थापना से हुई , इसके बाद उद्योगों की स्थापना का क्रम जारी रहा । 1855 में जूट मिल कलकत्ता, 1854 में रेल परिवहन की स्थापना , 1907 जमशेदपुर में लौह इस्पात कारखाना की स्थापना से आधारभूत उद्योग का विकास हुआ। भारत का औधोगिक विकास विभिन्न पंचवर्षीय योजना काल में तीव्र गति से आगे बढ़ा। इसके तीन मुख्य चरण है- प्रथम स्वतंत्रता से 1980 तक 1980 से 1991 एवं उदारीकरण के बाद 1992 से वर्तमान तक। भारत के प्रमुख उद्योग वस्त्र , लौह-इस्पात, चीनी, इंजीनियरिंग, सीमेंट, पेट्रोरसायन एवं खनन है। भारत में उद्योगों की स्थापना एवं विकास में सस्ता श्रम, पूँजी, कच्चा माल, बड़ा बाजार मुख्य कारक है।

राजस्थान स्वतंत्रता पूर्व से ही औधोगिक रूप से पिछड़ा रहा है। स्वतंत्रता बाद राज्य गठन के समय यहाँ मात्र 11 वृहद औधोगिक इकाइयां (जिनमे 7 सूतीवस्त्र, 2 सीमेंट एवं 2 चीनी मिल) तथा 207 पंजीकृत कारखाने थे। वर्तमान में यहाँ 349 औद्योगिक क्षेत्र है। राज्य में 36 जिला उद्योग केंद्र एवं 8 उपकेंद्र औधोगिक विकास को गति प्रदान कर रहे है। अध्ययन क्षेत्र बून्दी की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि आधारित उद्योग एवं खनन उधोग पर निर्भर है। बून्दी में 23 चावल मिल,3 तेल मिल तथा 1200 खाने है। जिले में कृषि एवं खनिज आधारित उधोग है , जिसमे चावल, खाद्य तेल, चीनी, सीमेंट, खनन आदि है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अध्ययन क्षेत्र का परिचय-

बून्दी जिला राजस्थान के दक्षिण-पूर्व में एक अनियमित चतुर्भुज आकार लिए 24°59'11" व 25°53'11" उत्तरी अक्षांश तथा 75°19'30" से 76° 19'30" पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। इसकी लंबाई पूर्व से पश्चिम 110 किमी. तथा उत्तर से दक्षिण 104 किमी है। इसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल (2016) 5850.50 वर्ग किमी (585000 हेक्टेयर) है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह राजस्थान का 22 वॉ व भारत का 181 वॉ बड़ा जिला है। यह पूर्व में सवाई माधोपुर, उत्तर में टोंक, पश्चिम में भीलवाड़ा-चित्तोड़ एवं दक्षिण में कोटा से संलग्न है। यह राज्य की राजधानी जयपुर से 215 किमी. की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित है। आड़ावाला पर्वत जिलों को दो बराबर भाग में बांटता है। यहां की औसत ऊंचाई समुद्र तल से 268 मीटर है। जलवायु कोपेन-गीजर के अनुसार तीन प्रकार की है एवं औसतवार्षिक वर्षा 72.41 सेमी तथा तापमान 25° सेल्सियस है।

2011 की जनगणना के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 11,10,906, जनसंख्या घनत्व 192 व्यक्ति/वर्ग किमी, कुल साक्षरता 61.52 प्रतिशत एवं लिंगानुपात 925 प्रति हजार पुरूष है। अध्ययन क्षेत्र में काली मिट्टी का जमाव है जो मालवा पठार का ही उपभाग है। यहाँ की चट्टाने भांडेर समूह की है। यहां मागली, मेज, घोड़ा पछाड़, कुराल नदी चंबल नदी प्रवाहित होती है। जिले को चंबल की बांयी मुख्य नहर जिले को सिंचाई जल उपलब्ध करवाती है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

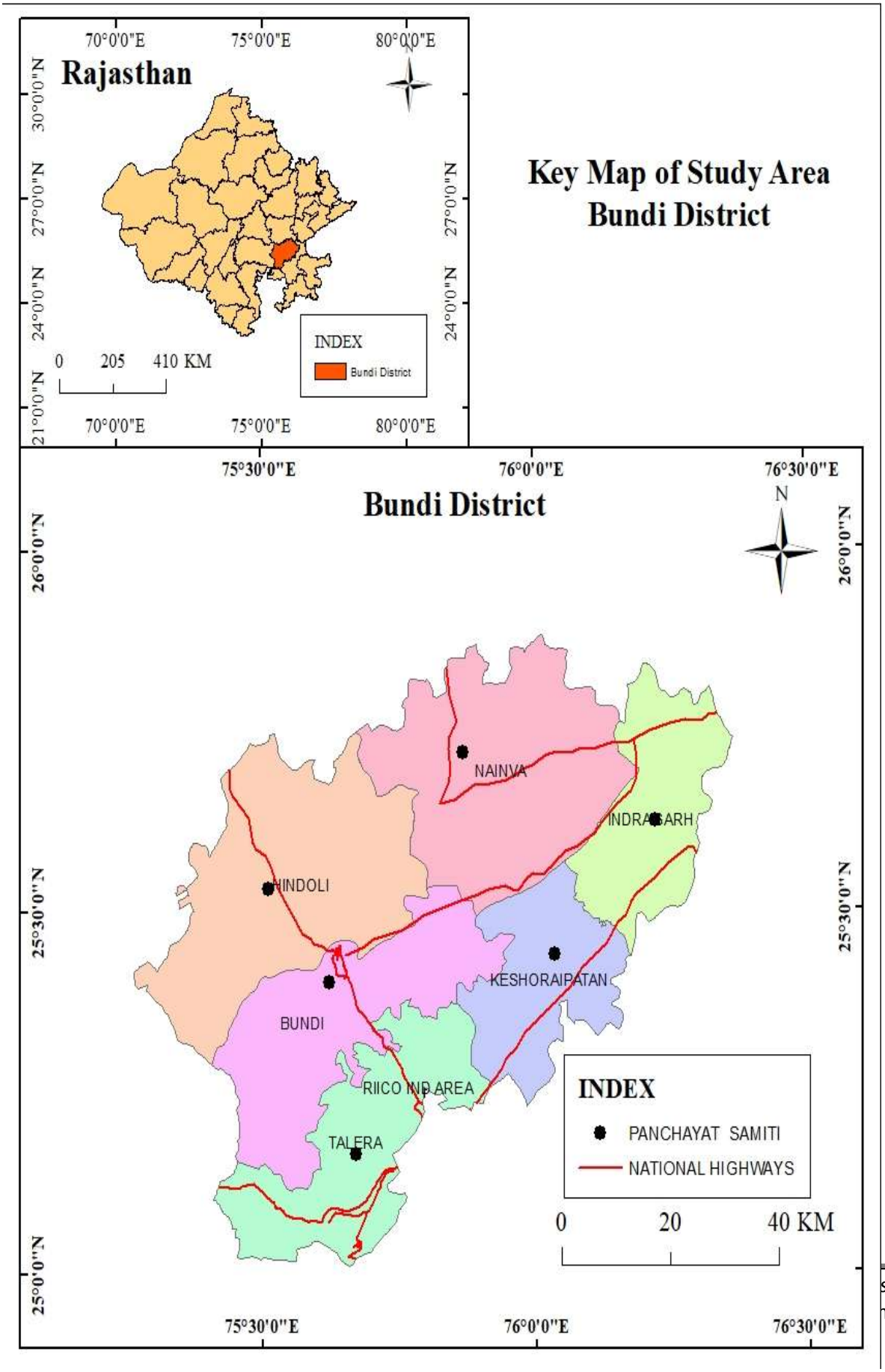

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शोध के उद्देश्य-

1 अध्ययन क्षेत्र में औद्योगिक पृष्ठ भूमिका अध्ययन कर उद्योगों का वर्गीकरण प्रस्तुत करना।

2 अध्ययन क्षेत्र में औधोगिक विकास की संभावना का अध्ययन करना तथा उद्योगों के विकास व्याप्त बाधाओं का अध्ययन कर सुझाव प्रस्तुत करना।

बूंदी जिले में औधोगिक विकास:-

स्वतंत्रता से पूर्व ही बूंदी में निक्सन कम्पनी द्वारा 1915 में लाखेरी में सीमेंट फैक्ट्री की स्थापना की तथा 1965 केशोरायपाटन में सहकारी शुगर मिल स्थापित हुई। औधोगिक विकास के इस क्रम में 1978 बून्दी में रीको की स्थापना हुई। वर्तमान समय में बूंदी में कृषि उत्पाद संबंधित सहकारी एवं निजी उधोगों की स्थापना हुई है। वर्तमान में बूंदी में 6 बड़ी एवं 2211 छोटी औधोगिक इकाईयां तथा 6 रीको द्वारा स्थापित औधोगिक क्षेत्र है। तथा तीन नए रीको औधोगिक क्षेत्र प्रस्तावित है।

बूंदी जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, खनन एवं पर्यटन उधोग द्वारा समर्थित है। वर्तमान में चावल एवं खनन उद्योग बूंदी जिले की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। बून्दी जिले में चावल के उत्पादन एवं निर्यात में वृद्धि हेतु राइस कलस्टर स्थापित करने की आवश्यकता है। बून्दी जिले में चावल की अच्छी किस्मों बासमती, 1121, 1509 पूसावन, सुगन्दा का उत्पादन होता है जिनका खाड़ी देशों में निर्यात किया जाता है। जिले की चावल मिलों का निर्यात 600 करोड़ रुपये से ज्यादा है, जिसमे मांग एवं उत्पादन से उतार चढ़ाव आते रहते है। बून्दी जिला खनिज पदार्थ की दृष्टि से भी समृद्ध है यहाँ सेंड, लाइमस्टोन एवं सिलिका सेंड की एक हजार से अधिक खानों से खनन होता है। बून्दी में खनन उद्योग प्रत्यक्ष– अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध करवा रहा है तथा बून्दी को 60 करोड़ का राजस्व प्राप्त होता है बून्दी में रीको एवं जिला उद्योग केंद्र उधोगो की स्थापना एवं उनके

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बून्दी में लघु एवं हस्तशिल्प उद्योग भी विकसित अवस्था में हैं। यह उद्योग रोजगार के साथ-साथ आजीविका के स्रोत भी है। जिले में गन्ने से खाण्डसारी, बडा नयागांव में लालपत्थर से मूर्ति एवं नक्काशी, गेण्डोली में संगमरमर व लालपत्थर से मूर्ति बनाई जाती है। वस्त्र उद्योग नैनवां की दरी, कापरेन का कोटा-डोरिया साड़ी, बून्दी का अस्सी कली का लहँगे की बाहर बहुत मांग है। बूंदी में तेल मिल, कागज, पोटलैण्ड सीमेंट, चावल मिल, पत्थर कटाई, पशु उत्पाद, वस्त्र, खनन, ईंट-भट्टा उधोग एवं पर्यटन प्रमुख उधोग है।

जिले में रीको क्षेत्र-

बून्दी में 1978 से 1997 तक 6 रीको औधोगिक क्षेत्र की स्थापना हुई। इनका कुल क्षेत्र 84.09 हैक्टेयर है। जहाँ वर्तमान में 257 फैक्टरियां संचालित है। ये क्षेत्र है- बून्दी बाईपास रोड, चित्तौड़रोड, बून्दी नैनवां रोड सुमेरगंज मंडी, गोविंदपुर बावड़ी एवं हट्टीपुरा। जिले में नवीन उद्योगों हेतु 2016 में तीन नए रीको क्षेत्र खरायता (लाखेरी), डेरोली (हिंडोली) एवं तालाब गांव प्रस्तावित है जो 228 .70 हैक्टेयर में स्थापित होंगे।

क्र.स.	उद्योग	इकाई	रोजगार
1	फेक्ट्री एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत उद्योग	129	2226
2	उधोग विभाग के अंतर्गत पंजीकृत उधोग	35	189
3	वृहद एवं मध्यम उद्योग	5	1322
4	औधोगिक क्षेत्र	6	-

स्रोत- कार्यालय निरीक्षक कारखाना एवं वाष्प यंत्र, बून्दी

पंजीकृत उद्योग 2015 में-

क्र.स.	उद्योग प्रतिरूप	इकाई
1	राइस मिल	25

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

2	खाद्य तेल मिल	3
3	सीमेंट	1
4	बर्फ निर्माण	4
5	आरा मशीन	67
6	पत्थर कटिंग	9
7	जी एस एस	2
8	मोटर व्हीकल सर्विसेज	2
	कुल	113

बून्दी में औद्योगिक अवस्थिति में सहायक कारक-

1 खनिज- बून्दी जिला खनिज संपदा से समृद है यहाँ लाइमस्टोन, सेंडस्टोन मेसनरी स्टोन, स्लेटस्टोन, सिलिका सेंड, मार्बल एवं बजरी के भंडार है। जिले में एक सीमेंट कारखाना एवं लगभग 1200 खानों में खनन होता है जिससे जिले को 50 से 60 करोड़ राजस्व आय होती है।

2 सस्ता श्रम - जिले के कुछ क्षेत्र में कृषि योग्य भूमि नही होने तथा निकटवर्ती राज्यों मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार से पर्याप्त मानवश्रम प्राप्त हो जाता है अकेले खनन क्षेत्र में एक लाख खनन श्रमिक है।

3 परिवहन–जिले में सड़क एवं रेल परिवहन विकसित अवस्था मे है इन से कच्चा एवं निर्मित माल आयात एवं निर्यात किया जाता है। जिले से राष्ट्रीय राजमार्ग 52 एवं 78 गुजरता है जो इस को जयपुर , दिल्ली, उदयपुर अजमेर, कोटा जैसे नगरों से जोड़ता है। जिले में 204 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ 2598 किमी कच्ची पक्की सड़क उपलब्ध है। अध्ययन क्षेत्र में 126 किमी रेललाइन इसको कोटा व चित्तौड़ से जोड़ती है।

4 अबाधित विद्युता पूर्ति-

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

जिले को कोटा थर्मल से 24 घंटे अबाधित विद्युता पूर्ति सस्ती दर पर उपलब्ध है। औद्योगिक इकाइयां जिले में 30478 किलोवाट विद्युत खपत करती है।

5 सस्ता एवं गुणवत्ता कृषि उत्पाद-

बून्दी जिले में सिंचाई संसाधन नदी, नहर ट्यूबवेल उपजाऊ मृदा के कारण कृषि मुख्य व्यवसाय है। यहाँ चावल , सोयाबीन, सरसों, गेहूँ एवं गन्ना मुख्य फसले है। बून्दी जिले में 25 चावल एवं 3 खाद्य तेल मिल है।

वृहद एवं मध्यम उधोग-	उत्पादन मूल्य (करोड़)
1. बंगे इंडिया प्रा. लि.	.....
2. अदानी विलमार लि.	200.77
3. एसीसी सीमेंट, लाखेरी	299.92
4. रूचि सोया इंडस्ट्री लि.	1219.202
5. इंटरनेशनल लि.	00
6. केशोरायपाटन सहकारी शुगर मिल लि. (वर्तमान में बंद)	560.03

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तालिका:- लघु एवं कुटीर उद्योग

क्र.स.	उद्योग	पं.इकाई	रोजगार	निवेश (लाख)
1	कृषि आधारित	2	14	129
2	वन आधारित	1	7	9
3	रसायन	1	3	5
3	खनिज	2	25	28.10

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

5	धातु	11	52	52.95
6	रिपेरिंग	7	40	82.25
7	अन्य	11	48	96.62
	कुल	35	189	402.92

अध्ययन क्षेत्र में औद्योगिक विकास में बाधाएँ निम्लिखित है-

1. नवीन उद्योगों की स्थापना हेतू समय पर भूआबंटन नही होता।

2 प्रस्तावित नवीन रीको क्षेत्र की समय पर स्थापना एवं विकसित नही होना।

3 कृषि भूमि को व्यावसायिक भूमि में परिवर्तन करवाने में प्रशासनिक एवं वित्तिय व्यवस्था।

4 राजनीतिक इच्छाशक्ति का सीमित होना।

5 जिला उद्योग केंद्र एवं जिला प्रशासन की सीमित भागीदारी।

6 कठोर रीको एवं सरकारी नियम एवं सीमित वित्तिय संसाधन।

7 समीपवर्ती जिलों कोटा भीलवाड़ा का सुदृढ़ औधोगिक विकास से निवेशक यहाँ आकर्षित नही होते।

8 लघु उद्योग में अकुशल श्रमिक, वित्तिय जागरूकता एवं विपणन कौसल की कमी।

9 नवीन तकनीकी का अभाव एवं उत्पाद की गुणवत्ता में कमी।

जिले में निकट भविष्य में संभावित उद्योग-

बून्दी जिला कृषि उत्पादन एवं खनिज संपदा से सम्पन्न है अतः यहाँ कृषि एवं खनिज आधारित उद्योगों की भावी संभावनाएं है। अध्ययन क्षेत्र में-

1 फ़ूड प्रोसेसिंग उद्योग

2 पत्थर मंडी

3 मधुमक्खी पालन

4 पारिस्थितिकी एवं ग्रामीण पर्यटन

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, February 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

5 मत्स्य उद्योग

6 डेयरी उद्योग

7 चीनी उद्योग

8 हस्तशिल्प

9 फ्लोर एवं दाल मिल

10 होटल एवं परिवहन सेवा

निष्कर्ष एवं सुझाव-

बून्दी जिला कृषि उत्पादन एवं खनिज संसाधन से समृद्ध है। अतः यहाँ कृषि एवं खनिज अधारित उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण है। जिले में चावल व खाद्य तेल मिल , ग्रामीण उद्योग- वस्त्र (साड़ी एवं दरी), खाण्डसारी, चर्म, डेयरी, मत्स्य, मधुमक्खी पालन , चूड़ा, मूर्तिकला व नक्काशी को विकसित एवं स्थापित करने के लिए श्रमिक प्रक्षिक्षण व वित्त की आवश्यकता है। जिले में चावल व खनिज उत्पादन में वृद्धि के चावल क्लस्टर एवं पत्थर मंडी की आवश्यकता है। जिले में औधोगिक विकास को बढ़ाने के लिए जिला उद्योग केंद्र एवं रीको को रणनीतिक तरीके से कार्ययोजना की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची-

1. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला बून्दी, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय जयपुर , 2008
2. राजस्थान पत्रिका अंक, 16 जनवरी 2015
3. बून्दी मास्टर प्लान 2008-33, नगर नियोजन विभाग जयपुर
4. DISTRICT SURVEY REPORT, DISTRICT BUNDI , DEPARTMENT OF MINES AND GEOLOGY, BUND SEPTEMBER 2016
5. BRIEF INDUSTRIAL PROFILE OF BUNDI DISTRICT
6. सक्सेना हरिमोहन, राजस्थान का भूगोल, हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर, 2018

7. नाथुराम, लक्ष्मीनारायण, राजस्थान की अर्थव्यवस्था , आर.बी.डी. पब्लिकेशन, जयपुर 2016
8. कुमार मनोज, औद्योगिक विकास, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, 2015